फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 316 प्रभात जयपुर, रविवार 18 जून , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Dreamers

Nihal Mathur uses his unique stamp presentation to tell the Story of Flight by arranging the stamps in historically sequential order to tell the Philatelic Annals of Aviation | Leonardo da Vinci's drawings of his flying contraptions were the first tangible examples of human

अफ्रीका के तीसरे सबसे बड़े, ज़ैम्बिया के काफ़ूए नैशनल पार्क (के.एन.पी.) में 50 साल के अंधाधुंध अवैध शिकार के बाद शेरों व तेंदुओं की आबादी बढ़ रही है। ग्लोबल वाइल्ड कैट कंज़र्वेशन ऑर्गनाइज़ेशन ''पैंथेरा'' के वैज्ञानिकों ने पाया कि, सदर्न के.एन.पी. में तेंदुए की आबादी दस गुना बढ़ी है। पहले वहां प्रति 100 वर्ग किलोमीटर 1.5 तेंदुए थे जो वर्ष 2022 में बढ़कर 4.4 हो गए हैं। पैंथेरा ने एक जून को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि, नॉर्दन काफ़ूए में तेंदुए की आबादी स्थिर है और मध्य भाग में दो गुनी से अधिक हो गई है। इसी प्रकार शेरों की आबादी भी नॉर्दन काफ़ूए में स्थिर है और सदर्न काफ़ूए में बढ़ी है तथा सैंट्रल काफ़ूए में दोगुनी हो गई है। पैंथेरा ने इसके लिए कई कारक बताए। पहला तो यह कि, चार साल में यहां शिकार को रोकने के लिए कई अभियान चलाए गए। ज़ैम्बिया के नैशनल पार्क्स एण्ड वाइल्डलाइफ़ विभाग ने पैंथेरा, नॉर्थ कैरोलाइना ज़ू और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर यह कवायद की है। इस कार्य में ''स्मार्ट'' (स्पेशल मॉनिटरिंग एण्ड रिपोर्टिंग टूल) जैसी आधुनिक तकनीकों व अर्थ रेंजर्स की भी मदद ली गई। आधुनिक तकनीक की मदद से रेंजर्स के.एन.पी. के विस्तृत क्षेत्र में ज्यादा सटीक निगरानी कर पाए और डेटा का विश्लेषण भी तीव्र गति से हुआ। इस प्रकार वे शिकारियों से एक कदम आगे रहे। वल्चर्स (गिद्ध) को वॉर्निंग सिस्टम के रुप में प्रयुक्त किया गया। नॉर्थ कैरोलाइना ज़ू के वैज्ञानिकों ने पैंथेरा व ज़ैम्बिया के नैशनल पार्क विभाग के साथ मिलकर 19 अफ्रीकन गिद्धों को सैटलाइट टैग लगाए और पैंथेरा ने ट्रायल किया कि, वल्चर की मदद से किस प्रकार अवैध गतिविधियों को रोका जा सकता है, जैसे जानवरों को जहर देना, जिससे गिद्ध व मांसाहारी पशु दोनों प्रभावित होते हैं। एक अन्य कारक था आरोपियों के खिलाफ़ मुकदमा व उन्हें सजा दिलावाने में सफलता। इसके अलावा स्थानीय लोगों को सिंथैटिक ''हैरिटेज फर'' बांटे गए ताकि, ये लोग औपचारिक समारोहों व अनुष्ठानों में शेर व तेंदुए की असली खालों की जगह तेंदुए की खाल जैसे दिखने वाले इस सिंथैटिक कपड़े का इस्तेमाल करें। दक्षिण अफ्रीका में हर साल खाल के लिए कम से कम 800 तेंदुए मारे जाते हैं। दक्षिण अफ्रीका में नैज़रैथ बैप्टिस्ट चर्च के लिए तेंदुए, गौरव, समृद्धि और सौंदर्य का प्रतीक हैं और चर्च के वरिष्ठ सदस्यों के लिए पारंपरिक अनुष्ठानों में, गले के चारों तरफ तेंदुए की खाल पहनना आवश्यक है।

सी.डब्ल्यु.सी. में नियुक्ति के लिये कांग्रेस की अन्त:कलह खुल कर सामने आयी

पर, इस प्रकरण में गौर तलब बात यह सामने आयी कि, राहुल जो चाहते हैं, खड़गे उसे अस्वीकार कर रहे हैं। पर, अन्ततोगत्वा होगा वही जो राहुल चाह रहे हैं, क्योंकि अभी पार्टी की कमान परोक्ष रूप से राहुल के हाथ में ही है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। जैसे-जैसे कांग्रेस नेतृत्व पर सी.डब्ल्यु.सी. का गठन करने, मौजूदा टीम में फेरबदल करने तथा आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों के लिये पार्टी को तैयार करने के लिये दबाव बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे बड़ी अन्तर्कलह तथा एक व्यक्ति के प्रमुख होने का खेल उभरता आ रहा है।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी तथा मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच एक-दूसरे के द्वारा प्रस्तावित नामों पर परस्पर सहमति नहीं है।

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि जहाँ प्रियंका गांधी अपने प्रति निष्ठावान लोगों को नियुक्त कराना चाहती हैं, वहीं सोनिया गांधी भी अपने नजदीकी नेताओं को आगे लाना चाहती हैं।

ऐसी सुगबुगाहट तेज होती जा रही है कि मीडिया चेयरमैन जयराम रमेश अपना वर्तमान पद छोड़ रहे हैं। समझा जाता है कि, मल्लिकार्जुन खड़गे के स्थान पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पार्टी के मीडिया चेयरमैन जयराम को पद मुक्त करने की चर्चा जोरों पर है तथा जयराम रमेश पूरा जोर लगा रहे हैं राज्यसभा में पार्टी के नेता नियुक्त हो जायें। क्योंकि खड़गे फिलहाल दो पदों पर कार्य संभाले हैं, पार्टी के अध्यक्ष व राज्यसभा में पार्टी के नेता। जयराम रमेश का कहना है, उदयपुर चिंतन शिविर में पारित ''एक व्यक्ति, एक पद'' का सिद्धांत लागू होना चाहिये और पार्टी अध्यक्ष खड़गे को राज्यसभा में पार्टी के नेता का पद छोड़ देना चाहिये।**
- **सुरजेवाला, कर्नाटक प्रभारी होने के नाते, कर्नाटक की जीत का श्रेय खुद लेना चाहते हैं तथा इस हैसियत से पार्टी के संगठन सचिव बनने की महत्वकांक्षा पाले हुए हैं। वे वेणु गोपाल का पद लेकर अधिकृत रूप से पार्टी के नम्बर दो के नेता बनना चाहते हैं।**
- **राहुल ने वेणु गोपाल को हटाने के प्रस्ताव को पहले ही दफन कर दिया है।**
- **चर्चा है कि, राहुल गांधी की वर्तमान राजनीति झोलेवालों को (समाजवादी ब्राण्ड के नेताओं) को प्रोत्साहन देने की लगती है और इस नीति के तहत मोहन प्रकाश को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी मिल सकती है।**
- **अजय माकन को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपने की चर्चा भी जोरों पर है, उन्हें लोकसभा चुनाव का संचालन करने के लिए गठित विशेष समिति का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।**

हर कुछ दिनों में रामचरित मानस पर विवाद खड़ा किया जा रहा

क्षेत्रीय दल, जैसे जे.डी. (यू) आर.जे.डी. व सपा, सुनियोजित तरीके से आग गरम रखना चाहते हैं 2024 के चुनाव के लिये

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। 2024 के लोकसभा चुनावों की प्रचार रणनीति के अन्तर्गत, हिन्दी भाषी उत्तर प्रदेश एवं बिहार के विपक्षी दल आये दिन रामचरित मानस की बहस को उठाते रहने की योजना पर कायम है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता रितलाल यादव ने बिहार में इस बात को एक बार फिर उठाया है तथा साथ ही यह अनर्गल दावा भी किया है कि रामचरित मानस ''मस्जिद में लिखी गई थी।''

- **इससे लग रहा है कि, 2024 का चुनाव हिन्दुत्व व सैक्युलरिज़्म की थीम पर ही लड़ा जायेगा।**
- **''रामचरित मानस को जला देना चाहिये, क्योंकि इसमें समाज के बहुत बड़े वर्ग के खिलाफ कुछ भड़काऊ बातें लिखी गयी हैं तथा इस वर्ग के खिलाफ नफरत फैलाने का प्रयास हुआ है।''**
- **बिहार में आर.जे.डी. के नेता, रित लाल यादव, मंत्री चन्द्रशेखर तथा यू.पी. में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य आदि, इस अभियान में अगुवा की भूमिका निभा रहे हैं।**

दानापुर के विधायक ने लोगों से कहा है कि वे ''इतिहास की पुस्तकें उठायें तथा जाँच कर लें'' कि उनकी बात सही है।

इधर देवेन्द्र फड़नवीस तथा अन्य भाजपा नेता औरंगजेब तथा टीपू सुल्तान से संबंधित प्रश्न खड़े कर रहे हैं इनका जवाब देते हुये हिन्दुत्व मॉडल पर सवाल खड़े कर रहे हैं। यह स्पष्ट है कि आगामी विधानसभा चुनाव तथा 2024 के लोकसभा चुनाव हिन्दुत्व बनाम पंथनिरपेक्ष के मुद्दे पर ही लड़े जायेंगे। हिन्दुत्व एजेंडा को आगे बढ़ाने तथा समान नागरिक संहिता को लेकन आग में घी डाल रहे हैं।

क्षेत्रीय दल, जिनमें जे.डी.यू., आर.जे.डी. तथा एस.पी. शामिल हैं, भी को लेकर भाजपा पार्टी पर हमला बोलते हुये, यादव ने पूछा, ''ये लोग उस समय कहाँ थे, जब भारत के एक मुसलमान की 11 वर्षीया बेटी ने भागवत कथा सुनाई थी तथा मैडल जीता था?'' कुछ माह पूर्व, राजद मंत्री चन्द्रशेखर ने यह कहते हुये एक राजनैतिक विवाद खड़ा कर दिया था कि ''रामचरित मानस को जला देना चाहिये'' क्योंकि इस धर्म ग्रंथ ने निम्न जातियों के प्रति द्वेष फैलाया है। उत्तर प्रदेश में, सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी यह टिप्पणी करते हुये इसी किस्म का विवाद खड़ा कर दिया था कि ''रामचरित मानस की कुछ काव्य-पंक्तियाँ जाति के आधार पर समाज के बहुत बड़े वर्ग का ''अपमान करती हैं'' तथा इसलिये इन पर रोक लगानी चाहिये। इस पर कुछ धार्मिक नेताओं ने सार्वजनिक रूप से मौर्य की जीभ काटने की धमकी दे डाली थी। मौर्य ने इसका जवाब देते हुये कहा था कि अगर किसी अन्य व्यक्ति ने यही बात कही होती, तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

बंगाल में केन्द्रीय बल की तैनाती के खिलाफ ममता सुप्रीम कोर्ट में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। शनिवार को ममता बनर्जी सरकार ने पंचायत चुनाव के दौरान संपूर्ण पश्चिम बंगाल में केन्द्रीय बल तैनात किए जाने के कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के विरोध में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जबकि, पूर्व में सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट का आदेश मानने का रुख अपनाया था।

- **कलकत्ता हाई कोर्ट ने पंचायत चुनावों में केन्द्रीय बल तैनात करने का निर्देश दिया। राज्य सरकार ने यह आदेश मानने का संकेत दिया था पर अब सरकार पलट गई है और सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है।**

इस बदलते घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, राज्य में विपक्ष के नेता सुवेन्दु अधिकारी ने कहा कि, राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडू में बदले की राजनीति ने जोर पकड़ा

ऊर्जा मंत्री पर ई.डी. की रेड के बाद, तमिलनाडू पुलिस ने भाजपा के राज्य सचिव को हिरासत में लिया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। तमिलनाडु में बदले की राजनीति जोर पकड़ती जा रही है। मदुरै सांसद के खिलाफ ट्वीट करने पर एक वरिष्ठ भाजपा नेता की गिरफ्तारी की भाजपा ने और राजनैतिक विश्लेषकों ने आलोचना की है। भ्रष्टाचार मामले में मंत्री सैंथिल बालाजी की गिरफ्तारी के बाद हुई भाजपा के तमिलनाडु सचिव एस.जी. सूर्या की गिरफ्तारी को राज्य सरकार की बदले की कार्यवाही के रुप में देखा जा रहा है। भाजपा नेता को मदुरै की साइबर क्राइम सैल ने शुक्रवार की रात मदुरै के भाकपा सांसद सू व्यंकटेशन के खिलाफ ट्वीट करने पर गिरफ्तार किया था। सूर्या ने अपने ट्वीट में आरोप लगाया कि सांसद ने सैनिटेशन वर्कर की मौत पर चुप्पी साध ली जिसे उनके एक कार्यकर्ता ने मल-मूत्र से भरा नाला साफ करने पर मजबूर किया। भाजपा नेता ने ट्वीट किया था कि ''आपकी अलगावादद से भी झूठी राजनीति में उस गंदे नाले से भरी ज्यादा बदबू आती है। एक इंसान की तरह जीने का रास्ता खोजिए दोस्त।'' इस ट्वीट के लिए भाजपा नेता को आई.टी. एक्ट के सैक्शन 66(डी) और इंडियन पीनल कोड के सैक्शन 152 (ए), 505(1) (बी), 505 (1) (पी) के तहत गिरफ्तार किया गया है और उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राज्य सचिव को आई.टी. एक्ट आदि के अंतर्गत गिरफ्तार कर, एक जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।**
- **तटस्थ द्रष्टाओं का मानना है, सचिव की ट्वीट में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे दो समुदायों के बीच तनाव भड़कने का तनिक भी अंदेशा हो।**

एडिशनल चीफ इंजीनियर की गाड़ी से लाखों रू. बरामद

कोटा, 17 जून (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कार्रवाई को अंजाम देते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एडिशनल चीफ इंजीनियर के पास से लाखों रुपये की राशि बरामद की है।

- **एन्टी करप्शन ब्यूरो ने कोटा से जयपुर जाते समय पी.एच.ई.डी. के एडिशनल चीफ इंजीनियर महेश जांगिड की गाड़ी रूकवाकर तलाशी ली और 8.10 लाख रू. बरामद किए।**

एन्टी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने यह कार्रवाई ठेकेदारों से अवैध रूप से कमीशन वसूलने की सूचना पर की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पटना सम्मेलन में आपसी-तू-तू मैं-मैं पर नियंत्रण के लिये एक ''आशय पत्र'' जारी

इस आशय पत्र में सभी पार्टियों के हस्ताक्षर करा लिये जायेंगे, वैचारिक मंथन से पहले, जिससे परस्पर विरोधी भाषण बाजी न हो।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। पटना में 23 जून को होने वाली विपक्षी दलों की पहली मीटिंग के लिये जबरदस्त प्रयास चल रहे। इसके प्रमुख शिल्पी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक संगठित मोर्चे के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से होने वाली इस मीटिंग की तैयारियों पर व्यक्तिगत रूप से नजर रखे हुये हैं। उम्मीद की जा रही है कि यह मोर्चा 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली भाजपा को चुनौती दे सकेगा।

करीब 18 दलों के शीर्ष नेता बिहार की राजधानी में पहुंच रहे हैं ताकि जनता तक यह सशक्त संकेत जा सके कि आर.एस.एस. के निर्देशन में पिछले नौ साल से शासन कर रही भाजपा सरकार का विकल्प है क्योंकि भाजपा सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है जिसके फलस्वरूप बेरोजगारी जबरदस्त रूप से बढ़ रही है तथा जरूरी चीजों की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है।

पटना मीटिंग, जो इस प्रकार की मीटिंगों की श्रृंखला की पहली मीटिंग हैं, में भाग लेने वाले दलों के ''दृढ़ संकल्प के संयुक्त बयान'' के सामने आने की संभावना है तथा मीटिंग के संभावित भागीदारों के बीच इस प्रकार की ड्राफ्टिंग पर चर्चाएं चल रही हैं।

सूत्रों ने कहा कि मीटिंग में, यह निर्णय भी लिया जायेगा कि राज्यों के स्तर पर एक उप समिति बनाई जाये जो विपक्षी एकता के काम पर नजर रहें। विपक्षी दलों की अगली मीटिंग की तिथि पर चर्चा होगी।

नेतागण इस बात की संभावना तलाश रहे हैं कि अगली मीटिंग की मेजबानी कांग्रेस करे तथा यह मीटिंग शिमला के बजाय दिल्ली में आयोजित की जाये। दरअसल नेतागण नहीं चाहते कि ऐसा प्रतीत हो कि कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी से बचना चाह रही है तथा इस शानदार अतीत वाली के प्रति कुछ दलों के द्वेष की अफवाहों को तवज्जो दे रही है।

अगली मीटिंग के स्थान एवं समय संबंधी अंतिम निर्णय पटना मीटिंग में ही ले लिया जायेगा। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस जैसे कुछ दल कांग्रेस का आतिथ्य स्वीकार करने में कुछ कठिनाई महसूस कर रहे हैं।

सूत्रों ने कहा कि पटना में होने वाली इस ''प्रारंभिक'' मीटिंग का मुख्य उद्देश्य विपक्षी दलों की एकात्मकता एवं संकल्प को प्रोजैक्ट करना है जिनका अनुसरण राष्ट्र एवं राज्य स्तरों पर होने वाली आगामी मीटिंगों में दिखाई देगा।

सूत्रों ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिये कि नेतागण प्रतिकूल प्रयोजन प्रस्तुत न करें, ऐसी मांग हो रही है कि संकल्प का ड्राफ्ट स्टेटमेंट सभी नेताओं में सर्कुलेट कर दिया जाए।

सूत्रों ने कहा कि वह ड्राफ्ट स्टेटमेंट यह बतायेगा कि मीटिंग क्यों हो रही है। इसमें भाजपा के खिलाफ उनकी लड़ाई के पीछे के मूलाधार बिन्दुवार होंगे-संविधान को बचाने की जरूरत, साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगे'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। मणिपुर की हीरोक विधानसभा सीट के विधायक थोकचोम राधेश्याम ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलना चाहते है और उन्हें शनिवार देर रात या रविवार को प्रधानमंत्री से मिलने का समय मिल सकता है। मणिपुर के कई भाजपा सांसद शुक्रवार से ही दिल्ली हैं और वे प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति मुर्मू और केन्द्रीय नेताओं को राज्य के हालात की जानकारी देना चाहते हैं।

- **मणिपुर के भाजपा सांसद इस मांग के साथ दिल्ली आए और प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का समय मांगा।**

राधेश्याम ने कहा कि, युवा लड़के लड़कियां जो हमारा भविष्य हैं, उनका कोई भविष्य नहीं है क्योंकि राज्य में शिक्षा, संचार सब ठप्प है, हमारी